BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

भारत टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से अग्रसर

मार्च 24, 2026

मुख्य बातें

- भारत में 2015 से 2024 के बीच तपेदिक (टीबी) के **नए मामलों में प्रतिवर्ष 21% की गिरावट** आई है; इसी अवधि में टीबी से होने वाली **मृत्यु दर में 28% की कमी आई** है।
- टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत, 7 दिसंबर 2024 से, **20 करोड़ से अधिक संवेदनशील आबादी की टीबी के लिए जांच की गई है** और **28 लाख से अधिक टीबी रोगियों का निदान किया गया है**।
- 2024 के लिए **46,118 से अधिक ग्राम पंचायतों को टीबी-मुक्त प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है**।
- दवा प्रतिरोधी टीबी रोगियों के लिए कार्यक्रम के तहत बेडाक्विलाइन, प्रेटोमैनिड, लाइनेज़ोलिड और मॉक्सीफ्लोक्सासिन युक्त एक नया, छोटा, सुरक्षित और अत्यधिक प्रभावी बीपीएएलएम उपचार शुरू किया गया है।
- **भारत का एआई-संचालित टीबी कार्यक्रम** खांसी की जांच के लिए एआई, छाती के एक्स-रे पढ़ने के लिए रेडियोलॉजी एआई और उच्च जोखिम वाले रोगियों की पहचान के लिए भविष्यसूचक विश्लेषण का उपयोग करता है।

परिचय

भारत टीबी उन्मूलन की दिशा में अग्रसर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत में सालाना उभरने वाले टीबी के नए मामलों में 2015-2024 से 21 प्रतिशत की कमी आई है।

यह विश्व स्तर पर टीबी के मामलों में सबसे महत्वपूर्ण गिरावट में से एक है, जो अन्य उच्च बोझ वाले देशों में दर्ज की

विश्व टीबी दिवस

स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में टीबी के विनाशकारी परिणामों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है। यह हमें वैश्विक टीबी महामारी को समाप्त करने के प्रयासों को तेज करने की याद दिलाता है। यह 1882 के उस तारीख को चिह्नित करती है जब डॉ. रॉबर्ट कोच ने घोषणा की थी कि उन्होंने टीबी का कारण बनने वाले जीवाणु की खोज की है, जिसने इस बीमारी के निदान और इलाज का रास्ता खोल दिया है।

गई कमी की गति से अधिक है। इसी अवधि के दौरान टीबी के कारण होने वाली मौतों में 28 प्रतिशत की कमी आई है। टीबी का पता लगाने, जांच और उपचार के लिए भारत सरकार के लक्षित, बहु-आयामी दृष्टिकोण ने इस प्रगतिशील प्रवृत्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्नत प्रौद्योगिकी, स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं, सामुदायिक जुड़ाव और किफायती उपचार का विस्तार, इस प्रचलित और संभावित घातक बीमारी को खत्म करने के लिए भारत को ट्रैक पर ला दिया है।

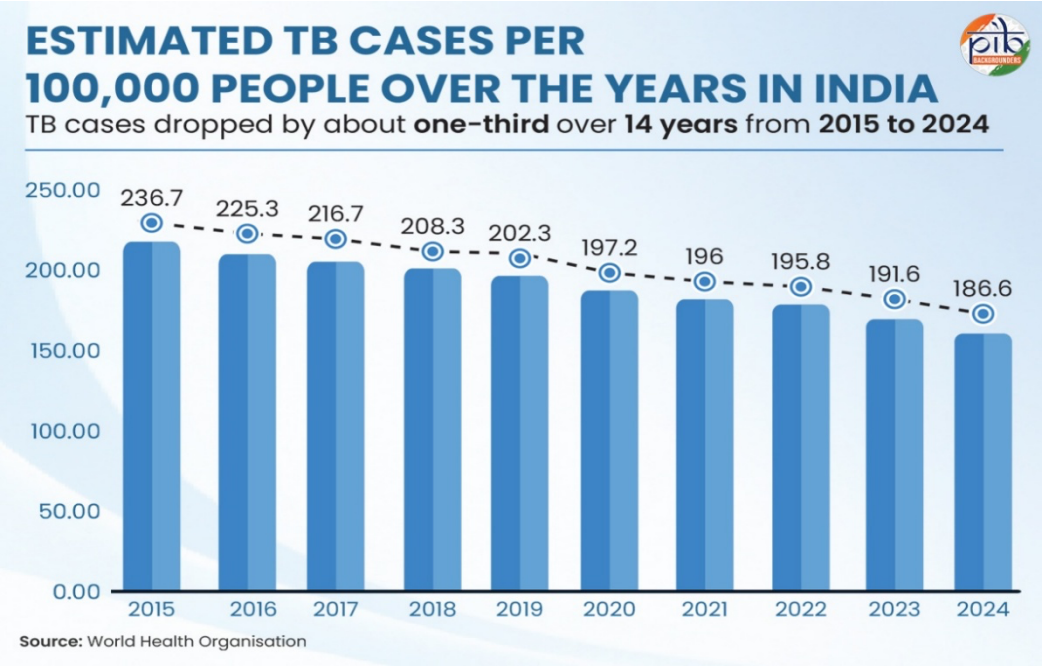

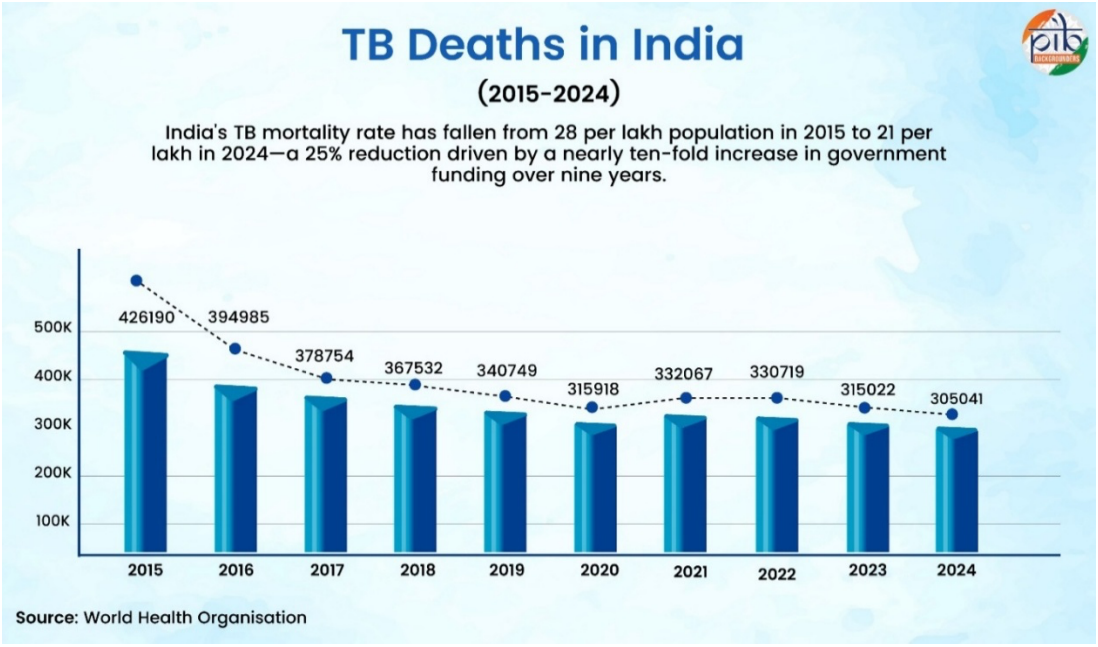

टीबी और इसके लक्षण

टीबी क्या है?

टीबी ***माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस*** *नामक जीवाणु के कारण होता है*, जो आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करता है। टीबी शरीर के अन्य हिस्सों, जैसे मस्तिष्क, गुर्दे या रीढ़ को भी प्रभावित कर सकता है।

बैक्टीरिया से संक्रमित व्यक्ति बीमार हो सकता है, लेकिन कुछ व्यक्ति बीमार नहीं होते। निष्क्रिय टीबी के मामले या अव्यक्त टीबी संक्रमण भी मौजूद हैं। निष्क्रिय टीबी वाले लोग सक्रिय टीबी संक्रमण वाले लोगों की तरह दूसरों को बीमारी नहीं फैला सकते हैं - फिर भी वे कभी भी सक्रिय टीबी विकसित कर सकते हैं और बीमार हो सकते हैं। **शिशुओं और बच्चों, और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को संक्रमित होने पर बीमार होने की अधिक संभावना होती** है। उचित उपचार के बिना, **सक्रिय टीबी घातक हो सकती है**।

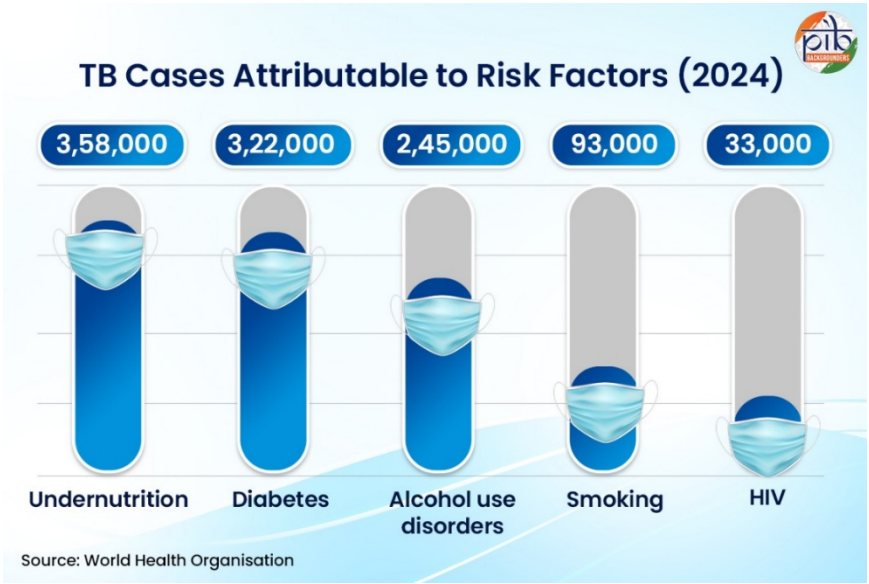

टीबी के लक्षण

सक्रिय टीबी के लक्षण आमतौर पर बैक्टीरिया से प्रभावित साइट के लिए विशिष्ट होते हैं, हालांकि सभी प्रकार के टीबी के लिए कुछ लक्षण सामान्य होते हैं।

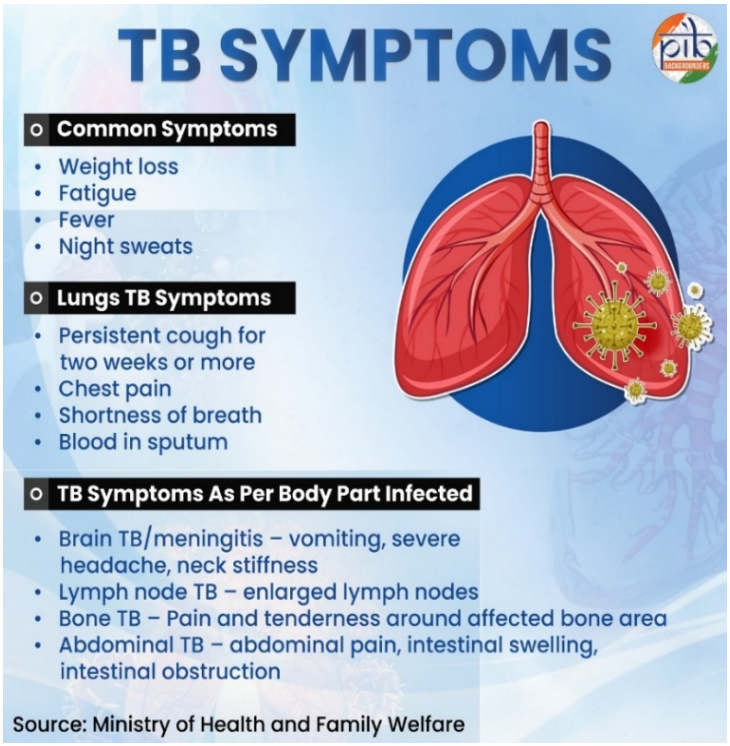

सक्रिय या लक्षण युक्त टी.बी. से संक्रमित व्यक्ति दूसरों को भी टीबी के बैक्टीरिया से संक्रमित कर सकते है। जब वे खांसते हैं, छींकते हैं या बोलते हैं, तो बैक्टीरिया युक्त छोटी बूंदें जब हवा में फैल जाती है और आस-पास के लोगों द्वारा सांस के द्वारा विशेष रूप से खराब वेंटिलेशन वाले स्थानों में तो वह उसे संक्रमित कर देता है।

हालांकि टीबी हवा के माध्यम से फैलता है, यह निम्न **माध्यम से संक्रमित** नहीं होता है:

- हाथ मिलाने से
- सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करने से
- भोजन और बर्तन साझा करने से
- रोजमर्रा के सामाजिक संपर्क से

फेफड़े के टीबी वाले मरीज आमतौर पर कम से कम दो सप्ताह तक उचित टीबी दवाओं के लेने के बाद संक्रमित नहीं करते। फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में टीबी वाले लोग आमतौर पर **बीमारी नहीं फैलाते** हैं।

लक्षण दिखाई दें तो आपको क्या करना चाहिए?

राष्ट्रीय **टीबी उन्मूलन कार्यक्रम** देश भर में सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और कई निजी स्वास्थ्य केंद्रों पर भी **मुफ्त जांच और उपचार सेवाएं प्रदान करता** है। यदि आप या आपका कोई परिचित टीबी के लक्षण दिखा रहा है:

- **मार्गदर्शन के लिए टोल-फ्री नि-क्षय संपर्क टीबी और हेपेटाइटिस हेल्पलाइन: 1800-11-6666 पर कॉल करें और अपने निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं** - सरकारी कार्यक्रमों के तहत टीबी निदान और उपचार नि:शुल्क प्रदान किया जाता है।
- लक्षणों और आस-पास की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए आप अपने एंड्रॉइड फोन पर टीबी आरोग्य साथी ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। ऐप आपको टीबी निदान और उपचार करने वाले निकटतम केंद्रों का पता लगाने में मदद करता है और दवा के दुष्प्रभावों के साथ-साथ टीबी रोगियों के लिए पोषण संबंधी सलाह पर मार्गदर्शन प्रदान करता है।

भारत में टीबी को समाप्त करने के लिए कार्यनीतिक योजना

सतत विकास लक्ष्य 3 के अनुरूप वर्ष 2025 तक टीबी को समाप्त करने का भारत सरकार का लक्ष्य विश्व के सबसे महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य मिशनों में से एक है। जून 2020 में घोषित **भारत में टीबी को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना 2020-25** का उद्देश्य चार स्तंभों: **पता लगाने, रोकथाम, बचाव और उपचार** के माध्यम से तपेदिक को खत्म करना है। यह योजना **शीघ्र निदान, संचरण को कम करने, उचित दवाओं और नियमों के साथ रोगियों का इलाज करने और रोगी सहायता प्रणाली बनाने पर केंद्रित है।**

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम

भारत सरकार ने वर्ष 2020 **में**, संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम का नाम बदलकर **राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम** कर दिया। यह वर्ष 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पहले टीबी को खत्म करने के भारत के

लक्ष्य को दर्शाता है। **राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन एनएसपी के चार स्तंभों** : पता करना, इलाज, करना, बचाव करना और उपचार पर आधारित है। कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियां हैं:

- उच्च गुणवत्ता वाले परीक्षण के माध्यम से टीबी से पीड़ित व्यक्तियों का शीघ्र निदान और घनी आबादी में मामलों का पता लगाने के लिए सक्रिय सामुदायिक आउटरीच।
- औषध प्रतिरोधी क्षय रोग सहित गुणवत्ता सुनिश्चित औषधियों और उपचार पद्धतियों के साथ शीघ्र उपचार किया जाना चाहिए।
- निजी क्षेत्र में देखभाल चाहने वाले रोगियों के साथ जुड़ना।
- प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और नि-क्षय मित्र पहल के माध्यम से रोगी-केंद्रित उपचार सहायता और पोषण हस्तक्षेप।
- घरेलू संपर्कों, बच्चों, पीएलएचआईवी और उच्च जोखिम/घनी आबादी के बीच संपर्क का पता लगाना और टीबी निवारक उपचार।
- वायुजनित संक्रमण नियंत्रण उपाय।
- सामाजिक निर्धारकों को संबोधित करने के लिए बहु-क्षेत्रीय प्रतिक्रिया।

सरकार राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम चलाती है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

प्रधानमंत्री-टीबी मुक्त भारत अभियान (टीबी-मुक्त भारत अभियान) 9 सितंबर, 2022 को **एनटीईपी के एक अतिरिक्त प्रमुख घटक** के रूप में शुरू किया गया था। यह पहल जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को 'जन आंदोलन' (जन आंदोलन) में एकजुट करने और टीबी को खत्म करने की दिशा में देश की प्रगति में तेजी लाने के लिए शुरू की गई थी। इसके उद्देश्य हैं:

1. उपचार के परिणामों में सुधार के लिए टीबी रोगियों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करें।
2. सामुदायिक भागीदारी बढ़ाएं।
3. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का लाभ उठाएं।

निक्षय पोषण योजना और नि-क्षय मित्र कार्यक्रम

टीबी रोगियों को उपचार दवाओं के प्रतिकूल दुष्प्रभावों का मुकाबला करने के लिए उच्च प्रोटीन आहार खाना चाहिए। वर्ष 2018 में शुरू की गई निक्षय पोषण योजना **प्रत्येक अधिसूचित टीबी रोगी को प्रति माह 1,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है**। अप्रैल 2018 में इसकी शुरुआत के बाद से, **1.37 करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 4,406 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं**।

टीबी का उपचार लंबा होता है, कम से कम 6 महीने तक चलता है, और कभी-कभी इससे भी अधिक समय तक चलता है। नि-क्षय मित्र एक "टीबी मित्र" या समर्थक होता है जो इस उपचार अवधि के दौरान टीबी रोगियों को सहायता प्रदान करता है। व्यक्ति, गैर-सरकारी संगठन, निगम, धार्मिक और सामुदायिक समूह, सरकारी अधिकारी और सार्वजनिक हस्तियां नि-क्षय मित्र बनने के लिए स्वेच्छा से काम कर सकती हैं।

चित्र 1 - नि-क्षय मित्र कर्नाटक के येलहंका जिले में टीबी रोगियों को खाद्य आपूर्ति में योगदान करते हैं (13 दिसंबर, 2022), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

टीबी मित्र रोगियों को अपनी जेब से होने वाले खर्च को कम करने में मदद करने के लिए **नियमित भोजन टोकरी** प्रदान करता है। वे नियमित रूप से जांच करके **मनोसामाजिक सहायता** भी प्रदान कर सकते हैं, और रोगियों को ठीक होने के बाद अपने जीवन के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए **व्यावसायिक सहायता** भी प्रदान कर सकते हैं।

12 नवंबर, 2025 तक:

- **6,77,541 व्यक्तियों और संगठनों** ने नि-क्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कराया है और **टीबी रोगियों को 45 लाख से अधिक खाद्य टोकरियां** वितरित की हैं।
- **2 लाख से अधिक माई भारत स्वयंसेवक** नि-क्षय मित्र के रूप में सेवा करने के लिए आगे आए हैं। माई भारत युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की एक पहल है जो 15-29 वर्ष के लोगों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और मुद्दों को हल करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों, निजी संगठनों और नागरिक-समाज की भागीदारी से जोड़ती है।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 7 दिसंबर 2024 को 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 347 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में भारत के सबसे गहन टीबी उन्मूलन अभियानों में से एक, 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की। टीबी के शीघ्र निदान के लिए, टीबी के उच्च जोखिम वाली आबादी की संवेदनशीलता का मानचित्रण और व्यवस्थित स्क्रीनिंग की गई। जन आंदोलन के परिणामस्वरूप 30,000 से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों और 24 संबंधित मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी और निक्षय मित्रों का समर्थन प्राप्त हुआ, जो टीबी उन्मूलन के लिए समग्र समाज और समग्र सरकारी दृष्टिकोण को दर्शाता है। टीबी मुक्त भारत अभियान की रणनीतियों को अब देश भर के सभी जिलों में विस्तारित किया गया है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत, 7 दिसंबर 2024 से अब तक 20 करोड़ से अधिक संवेदनशील आबादी की टीबी की जांच की गई है, जिसमें 28 लाख से अधिक टीबी रोगियों का निदान किया गया है, जिनमें 9 लाख लक्षणहीन मामले भी शामिल हैं, जिनका अन्यथा पता नहीं चल पाता।

व्यापक लक्षित और सहयोगात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप, **46,118 से अधिक ग्राम पंचायतों को वर्ष 2024 के लिए टीबी मुक्त प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है**।

इस अभियान के फलस्वरूप, तब से लेकर अब तक टीबी मुक्त अभियान में प्रगति इस प्रकार है: 19 करोड़ से अधिक लोगों की टीबी की जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप **24.5 लाख से अधिक टीबी रोगियों का पता चला**, जिनमें 8.61 लाख टीबी संक्रमित लोग (लक्षणहीन) शामिल हैं। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उपचार की सफलता दर बढ़कर 90% हो गई है, जो वैश्विक औसत 88% से अधिक है।

नई पहल

दवा प्रतिरोधी टीबी रोगियों के लिए कार्यक्रम के तहत बेडाक्विलाइन, प्रेटोमैनिड, लाइनेज़ोलिड और मॉक्सीफ्लोक्सासिन युक्त एक नया, छोटा, सुरक्षित और अत्यधिक प्रभावी **बीपीएएलएम उपचार** शुरू किया गया है, जिससे उपचार की अवधि घटकर 6 महीने हो जाएगी। 15,000 से अधिक एमडीआर/आरआर-टीबी रोगियों को इस उपचार से उपचारित किया जा चुका है।

टीबी निवारक उपचार: रोकथाम को उपचार जितना ही महत्वपूर्ण मानते हुए, पात्र लाभार्थियों को टीबी संक्रमण को सक्रिय रोग में बदलने से रोकने के लिए टीबी निवारक उपचार (टीपीटी) प्रदान किया जाता है। लक्षित और नवोन्मेषी दृष्टिकोण के माध्यम से, कार्यक्रम ने वर्षों से टीपीटी देकर घरेलू संपर्कों और एचआईवी संक्रमित लोगों (पीएलएचआईवी) की सफलतापूर्वक रक्षा की है। इस हस्तक्षेप को सक्रिय और गहन केस-फाइंडिंग अभियानों के साथ एकीकृत किया गया है और अन्य कमजोर समूहों तक इसका विस्तार किया गया है।

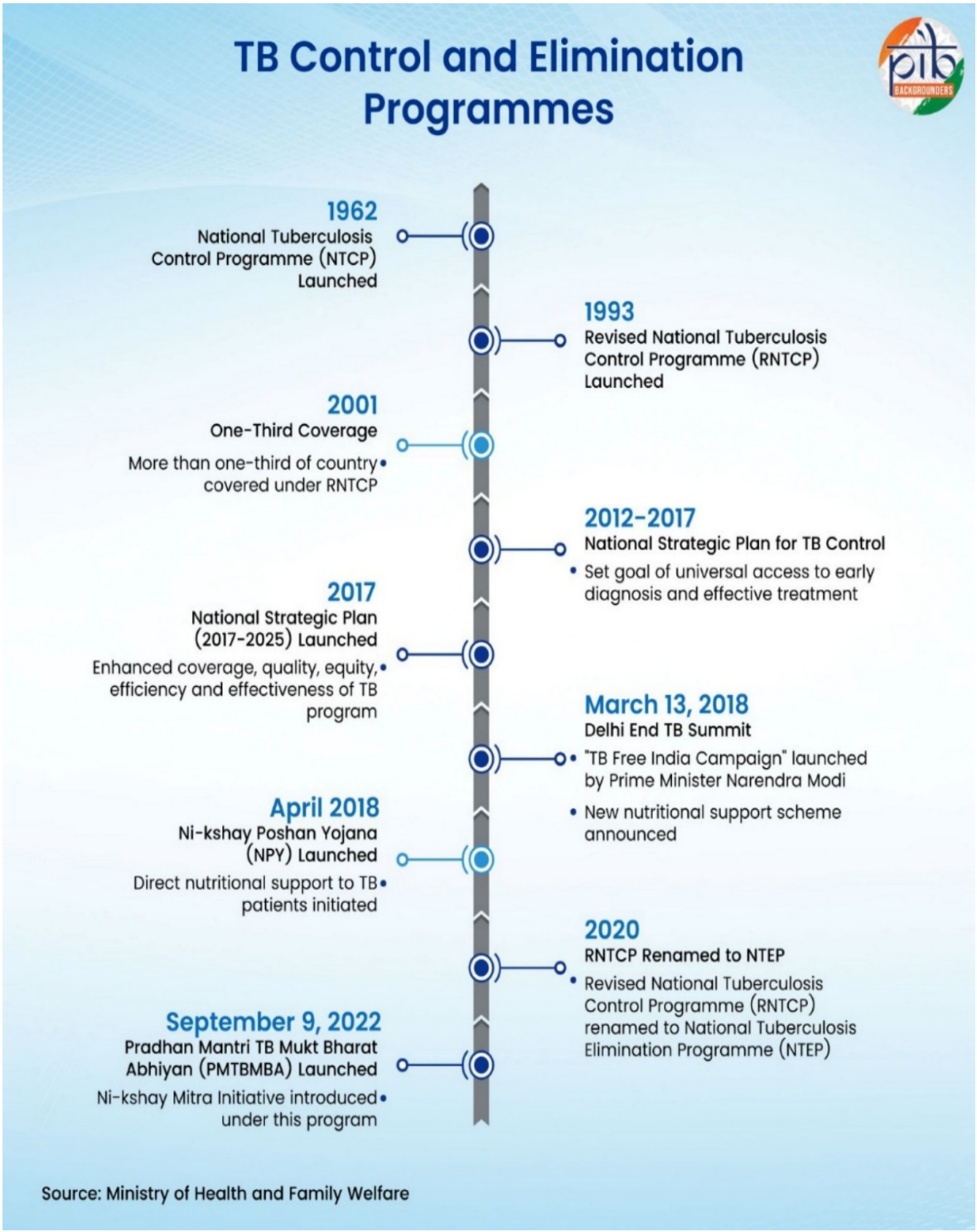

TB Control and Elimination Programmes
1962
National Tuberculosis Control Programme (NTCP) Launched
1993
Revised National Tuberculosis Control Programme (RNTCP) Launched
2001
One-Third Coverage
More than one-third of country covered under RNTCP
2012-2017
National Strategic Plan for TB Control
Set goal of universal access to early diagnosis and effective treatment
2017
National Strategic Plan (2017-2025) Launched
Enhanced coverage, quality, equity, efficiency and effectiveness of TB program
March 13, 2018
Delhi End TB Summit
"TB Free India Campaign" launched by Prime Minister Narendra Modi
New nutritional support scheme announced
April 2018
Ni-kshay Poshan Yojana (NPY) Launched
Direct nutritional support to TB patients initiated
2020
RNTCP Renamed to NTEP
Revised National Tuberculosis Control Programme (RNTCP) renamed to National Tuberculosis Elimination Programme (NTEP)
September 9, 2022
Pradhan Mantri TB Mukt Bharat Abhiyan (PMTBMBA) Launched
Ni-kshay Mitra Initiative introduced under this program
Source: Ministry of Health and Family Welfare

आयुष्मान आरोग्य मंदिर

वृहद आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं जो सभी को सार्वभौमिक और सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं। भारत में 1,84,726 मंदिर हैं (24 मार्च, 2026 तक) - जिनमें उप-स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आयुष (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) केंद्र और शहरी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र शामिल हैं। टीबी के लक्षण दिखने वाले लोग निदान के लिए इन केंद्रों पर जा सकते हैं।

चित्र 2 - हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य कार्यकर्ता टीबी और अन्य बीमारियों के लिए महिलाओं की जांच करते हैं (20 सितंबर, 2025), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

तकनीकी इन्फ्रास्ट्रक्चर

टीबी का शीघ्र पता लगाने और देखभाल के लिए 9,800 रैपिड मॉलिक्यूलर टेस्टिंग सुविधाएं और **107 कल्चर और ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग** प्रयोगशालाएं मौजूद हैं। अन्य उपकरण हैं:

- **सामुदायिक जांच के लिए 500 से अधिक एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड चेस्ट एक्स-रे इकाइयां**, जिनमें से 1,500 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वितरित की जा रही हैं।
- नि-क्षय डिजिटल प्लेटफॉर्म पोषण संबंधी सहायता के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की सुविधा प्रदान करता है।

सुदूर कश्मीर में टीबी के मामलों का पता लगाना

कश्मीर के बांदीपोरा जिले की अलग-थलग गुरेज घाटी में - हिमालय में 2,400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित और सर्दियों के दौरान अवरूद्ध हो जाता है - एनटीईपी कश्मीर टीम ने एक गहन टीबी स्क्रीनिंग अभियान चलाया। उन्नत डायग्नोस्टिक मशीनों और पोर्टेबल एक्स-रे उपकरणों से लैस मोबाइल परीक्षण वैन का उपयोग करते हुए, टीम ने तीन दिनों में 1,250 लोगों की जांच की और आगे के परीक्षण के लिए 250 से अधिक संभावित टीबी मामलों की पहचान की। उन्होंने भारतीय सेना, स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रतिनिधियों और धर्मगुरूओं के साथ जागरूकता सत्र भी आयोजित किए। यह प्रयास 2025 तक "टीबी मुक्त कश्मीर" के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जम्मू-कश्मीर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एआई-नेतृत्व वाली पहल

सरकार टीबी की जांच का पता लगाने, निदान और उपचार के लिए एआई प्रणाली का उपयोग कर रही है ताकि देखभाल की पहुंच और गति में सुधार के लिए स्वास्थ्य सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी को एकीकृत किया जा सके। ये हैं:-

स्वास्थ्य पर ध्यान	एआई समाधान/पहल	प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी और "उपचार" अनुभव	नैदानिक/संचालन प्रभाव
टीबी की जांच	टीबी के संदर्भ में खांसी	ध्वनिक एआई: स्मार्टफोन ऐप के माध्यम से रोगी की खांसी की 3 सेकंड की रिकॉर्डिंग टीबी संकेतों के लिए आवृत्ति पैटर्न का विश्लेषण करती है।[1]	1.62+ लाख लोगों की जांच की गई; पारंपरिक तरीकों से मामलों में 12-16 प्रतिशत अतिरिक्त लाभ।[2]
टीबी प्रबंधन	प्रतिकूल परिणाम भविष्यवाणी	भविष्य करने वाला विश्लेषण: एक बार चिन्हित उपचार शुरू होने के बाद एआई रोगियों को उपचार की विफलता के उच्च जोखिम में डालता है, ।	राष्ट्रव्यापी तैनाती के बाद प्रतिकूल परिणामों में 27 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।[3]
टीबी ट्राइएज	डीपसीएक्सआर (छाती का एक्स-रे)	रेडियोलॉजी एआई: संभावित टीबी मामलों के लिए नोड्यूल/कैविटी की पहचान करने के लिए डिजिटल एक्स-रे की स्वचालित रीडिंग.	8 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में तैनात; विशेषज्ञों की कमी को दूर करने के लिए सरकार को निशुल्क उपलब्ध कराया गया है।[4]

निष्कर्ष

टीबी के मामलों में भारत में लगातार गिरावट एक शक्तिशाली पैमाना है कि निरंतर प्रतिबद्धता, सामुदायिक भागीदारी और मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल वास्तव में बदलाव लाती है। निरंतर सतर्कता, देखभाल तक विस्तारित पहुंच और सामूहिक जिम्मेदारी के साथ, देश एक ऐसे भविष्य के करीब बढ़ रहा है जहां टीबी मुक्त भारत केवल एक लक्ष्य नहीं है, बल्कि समाधान को प्राप्त करने योग्य एक वास्तविकता है।

---

[1] https://www.wadhwaniai.org/impact/healthcare-solutions/cough-against-tb/

[2] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2199422&reg=3&lang=2

[3] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2113683&reg=3&lang=2

[4] क्रोम-एक्सटेंशन://efaidnbmnnnibpcajpcclclefindmkaj/https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/184/AU4727_YSJKfw.pdf?source=pqals

संदर्भ

पत्र सूचना कार्यालय:

- भारत में टीबी के मामले 2015 में 237 प्रति लाख जनसंख्या से 21 प्रतिशत घटकर 2024 में 187 प्रति लाख जनसंख्या हो गए, जो विश्व स्तर पर देखी गई गिरावट की दर से लगभग दोगुना है : https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2189415
- विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस - 2025: https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2114549
- यदि सही दवाओं को सही अवधि के लिए लिया जाए तो टीबी पूरी तरह से ठीक हो सकता है - निदेशक, राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान: https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1808582
- मेरा युवा भारत: https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2184456
- भारत का 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान: https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2081662

अन्य:

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय: अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न: https://mohfw.gov.in/?q=en/basicpage-64
- भारत में टीबी को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना 2020-25: https://tbcindia.mohfw.gov.in/national-strategic-plan-to-end-tb-in-india-2020-25/
- राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम: https://dghs.mohfw.gov.in/national-tuberculosis-elimination-programme.php
- टीबी मुक्त अभियान पर मार्गदर्शन: https://tbcindia.mohfw.gov.in/concept-note/
- आयुष्मान आरोग्य मंदिर: https://aam.mohfw.gov.in/
- निक्षय पोषण योजना: https://www.myscheme.gov.in/hi/schemes/nikshay
- राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम - भारतीय टीबी रिपोर्ट 2024: chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcclefindmkaj/https://tbcindia.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2024/10/TB-Report_for-Web_08_10-2024-1.pdf

- नि-क्षय पोषण योजना के तहत सभी टीबी रोगियों के लिए मासिक सहायता मौजूदा 500 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रति माह कर दी गई है: श्री जे.पी. नड्डा https://mohfw.gov.in/?q=/press-info/7783
- अपडेट ऑन टीबी- मुक्त भरत अभियान: https://www.mohfw.gov.in/?q=en/pressrelease-217
- संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम: https://tbcindia.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2023/05/4193711960Social-action-plan-2013-Final-7th-Jan-14.pdf
- संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम: https://tbcindia.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2023/05/4773363959TOG-Chapter-1-Introduction.pdf

पीआईबी रिसर्च

पीके/केसी/एचएन/एसके